*अध्ययन सामग्री
विषय- हिन्दी
स्नातक प्रतिष्ठा(खण्ड-3)
प्रश्न पत्र- षष्ठ
अतिशयोक्ति अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण
पदनाम- डॉ स्मिता जैन
एसोसिएट प्रोफेसर
हिंदी विभाग
एच डी जैन कॉलेज, आरा*
22:42 ✓

Scanned with CamScanner

अतिशयोक्ति अलंकार —

उपमेय का निगरण कर उपमान के साथ उसकी अभेद प्रतीति कराना अतिशयोक्ति अलंकार है।

~~अतिशय~~ अतिशयोक्ति का अर्थ है अतिशय। अर्थात् बढ़ी-चढ़ी उक्ति, कथन।

उपमेय को सर्वथा छिपाकर उपमान से उसकी अभिन्नता दिखलाना अतिशयोक्ति का विषय है। किसी सुन्दरी की लम्बी गुथी वेणी को दिखाकर कोई कहे कि

देखें काल यह नागिन किसे डसती है।
'बेणी' का बिना नाम लिए ही 'नागिन'
अर्थात् उपमान के साथ उसकी अभेद प्रतीति
कराई गई है। अतः यहाँ अतिशयोक्ति
अलंकार है। उदाहरण —

"अद्भुत एक अनुपम बाग।
जुगल - कमल पर गजवर क्रीड़रत
तापर सिंह करत अनुराग।"

यहाँ पूरा का पूरा पद रूपका-
-तिशयोक्ति अर्थात् अतिशयोक्ति का प्रथम
भेद अलंकार है। यहाँ चरण के बदले
'जुगल कमल', 'जाँघ' के बदले 'गजवर'
तथा 'कटि' के बदले 'सिंह' का कथन है।
उपमेय का नाम न लेकर केवल उपमानों
का ही निर्देश है और दोनों के अभिन्नता
प्रदर्शित की गई है। अतः यहाँ अतिशयोक्ति
अलंकार है।

Scanned with CamScanner